हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

■ संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 03 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 29 जनवरी से 04 फरवरी 2021

हे प्रभु !

अगर आपके रहते आपके पिता फटे कपड़े पहनते है तो आपके महंगे कपड़े पहनने का कोई फायदा नही है और माँ से ऊँची आवाज में बात करते है तो देवी की पूजा करने से कोई फायदा नही है – अज्ञात

अनमोल विचार

बेहतर करना अच्छी बात है लेकिन किसी का बेहतर करना बहुत बड़ी बात है – अज्ञात

नजरिया

बोलना तो जन्म के दो वर्षो बाद ही सीख जाते है लेकिन बोलना क्या है इसे सीखने में पूरा जीवन लग जाता है.

–संपादक

लाल किला से लेकर राजपथ तक अतिरिक्त बल तैनात

ड्रोन से रखी जा रही निगरानी

नई दिल्ली: पुलिस ने ट्रैक्टर मार्च के दौरान हिंसा से सबक लेते हुए लाल किला से लेकर राजपथ सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने एक फरवरी को किसानों के संसद मार्च को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गये हैं। भीड़ की हिंसा से सबसे ज्यादा प्रभावित लाल किला था जहां पर दो घंटे तक उपद्रव की स्थिति रही। लेकिन मंगलवार शाम से ही लाल किला परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। यहां पर 11 कम्पनी सुरक्षा बलों के अलावा सीपी रिजर्व की 15 कम्पनी भी तैनात की गई हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पूरे लाल किला परिसर की निगरानी के लिए ड्रोन कैमरे की भी मदद ली जा रही है। वहीं लाल किला परिसर आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया है। इसके अलावा लाल किला की तरफ बढ़ने वाले सभी चार मार्गों पर रेत भरे डम्पर लगाए गये हैं ताकि कोई जबरन नहीं घुस आए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हालांकि नई दिल्ली का इलाका हिंसा से अप्रभावित था। लेकिन किसी भी आशंका को दूर करने के लिए अर्धसैनिक बलों की पांच अतिरिक्त कम्पनी तैनात कर दी गई हैं। इसके अलावा गाजीपुर, सिंघु और टिकरी बार्डर पर पहले की तरह सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गये हैं। यहां पर लगातार ड्रोन से निगरानी की जा रही है। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ट्रैक्टर मार्च में हिंसा की आशंका पहले से ही व्यक्त की जा रही थी। पुलिस को सौ ट्वीटर हैंडल भी मिले थे जिसके जरिए हिंसा और गड़बड़ी आदि फैलाने की साजिश रची जा रही थी। इसलिए पुलिस लगातार इन माध्यमों पर नजर रखे हुए हैं

महाराष्ट्र में 289 और पक्षियों की मौत

मुंबई : महाराष्ट्र के विभिन्न भागों में सोमवार को 289 और पक्षियों की मौत हो गई जिसके बाद मरने वाले पक्षियों की संख्या बढ़कर 18,700 पर पहुंच गई। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन पक्षियों के नमूनों को भोपाल स्थित प्रयोगशाला में भेजा गया है जिससे यह पता चल सके कि यह पक्षी एवियन इन्फ्लुएंजा से संक्रमित थे या नहीं। अधिकारी ने कहा, इन 289 पक्षियों में से 260 पोल्ट्री पक्षी थे और अन्य हेरॉन, तोते कौवे आदि थे। बतख, 38,798 अंडे और 55,476 किलोग्राम पोल्ट्री खाद्य सामग्री को नष्ट किया जा चुका है।

संक्षिप्त खबरें

शिवसेना का आरोप-आंदोलन को बदनाम करने के लिए किसानों को केंद्र सरकार ने भड़काया

नई दिल्ली: गणतंत्र दिवस के दिन किसानों की ट्रैक्टर रैली के दौरान दिल्ली की राजधानी में हुई हिंसा के लिए शिवसेना ने केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया है।

शिवसेना ने कहा है कि कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन कों बदनाम करने के लिए बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने किसानों को हिंसा करने के लिए उकसाया। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय में लिखा है, ह्यलाल किले में घुसकर जिस भीड़ ने हड़कंप मचाया, उस भीड़ का नेतृत्व कोई दीप सिद्धू नामक युवक कर रहा था।

ICON OPTICAL GALLERY

Buy 2 Prs of prescription Antireflection glasses of Rs 1600/- and get 2 frames free......

Buy 2 Prs of Blue Cut Antireflection prescription glasses of Rs 1899/- and get 2 frames free......

Buy 1 Frame or Sunglass & get 1 Frame or Sunglass free Rs 1000/- onwards......

Branded Frames, Sunglasses & Glasses available with discount.

We make any Single Vision, Bifocal and Progressive prescription Glasses in 1 or 2 hrs.

9819292152

murtaza12152@yahoo.com

Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053

Begin your Journey to a Better Life With Peace, Love, & Happiness

YOGA

YOGA classes available

Session 5 days a week

Offline & Online

FREE TRIAL CLASS

C- 505, Badri bldg, Mathuradas road, Kandivali (W), Mumbai- 400067.

YOGA BY ZAINAB 70213 01200

ट्रैक्टर मार्च के दौरान भड़की हिंसा के लिए केंद्र सरकार को दोषी मान रहे संजय राऊत और शरद पवार

मुंबई : मंगलवार को किसानों के ट्रैक्टर मार्च के दौरान भड़की हिंसा के लिए शिवसेना नेता संजय राऊत एवं राकांपा अध्यक्ष शरद पवार केंद्र सरकार को दोषी मान रहे हैं। दोनों नेताओं ने ट्वीट कर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने कहा है कि पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। लेकिन सरकार ने उन्हें गंभीरता से नहीं लिया। जब उनका धैर्य समाप्त हो गया, तो उन्होंने ट्रैक्टर मार्च निकाला। कानून-व्यवस्था बनाए रखना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी थी। सरकार उसमें असफल रही है। पवार मानते हैं कि आज दिल्ली में जो हुआ, वह ठीक नहीं हुआ। लेकिन इसके पीछे के कारणों को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। जो अब तक शांत बैठे थे, उनका गुस्सा अचानक फूट पड़ा। सरकार अपनी जिम्मेदारियां नहीं निभा पाई। सरकार को परिपक्वता पूर्वक उचित निर्णय करना चाहिए। बता दें कि शरद पवार सबसे लंबी अवधि तक देश के कृषि मंत्री रह चुके हैं। एक दिन पहले मुंबई में हुई किसानों की एक रैली को संबोधित करते हुए पवार ने कहा था कि सरकार को नए कृषि कानूनों पर सभी दलों से बात करके आंदोलन का हल निकालना चाहिए।उन्होंने पूछा है कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ गईं, इसकी जिम्मेदारी किसकी है? अब इसके लिए किसका इस्तीफा मांगा जाना चाहिए? सोनिया गांधी, ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे, शरद पवार या जो बाइडेन का? त्यागपत्र तो बनता है साहब झ ऐसा कहते हुए राऊत कहते हैं कि दिल्ली में जो कुछ भी हो रहा है, उसकी जिम्मेदारी तो किसी को लेनी पड़ेगी। सरकार इसी दिन की प्रतीक्षा कर रही थी क्या? सरकार ने लाखों किसानों की बात इतने दिन तक क्यों नहीं सुनी? राऊत कहते हैं कि आज हुई हिंसा टाली जा सकती थी। जो कुछ भी चल रहा है, उसका समर्थन नहीं किया जा सकता। कुछ भी हो, लालकिले पर तिरंगे का अपमान सहन नहीं किया जा सकता।

राऊत सवाल करते हैं कि सरकार किसान विरोधी कृषि कानून रद्द करने को तैयार नहीं है। इसके पीछे कोई अदृश्य शक्ति काम कर रही है क्या?

मुंबई कोस्टल रोड का फर्स्ट लुक

मात्र एक मिनट में पूरी होगी ब्रीच कैंडी से हाजी अली की दूरी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा कोस्टल रोड का फर्स्ट लुक सामने आया है। अब जीएमएलआर और वर्ली- शिवड़ी कनेक्टर का काम जल्द शुरू हो जाएगा। मुंबई कोस्टल रोड ब्रीच कैंडी और हाजी अली की दूरी को मात्र एक मिनट में पूरा कर देगा, पहले पीक ट्रैफिक के दौरान इस दूरी को तय करने में लगभग 30 मिनट का समय लगता था। गौरतलब है कि दिसंबर 2020 तक समुद्र को पाटकर कोस्टल रोड बनाने का कार्य मात्र 17 फीसद ही पूरा हुआ था। बताया जा रहा है कि इस रोड के पूरा होते ही मुंबई की तस्वीर बदल जाएगी। कोस्टल रोड प्रोजेक्ट ठाकरे सरकार और मुंबई महानगर पालिका का ड्रीम प्रोजेक्ट बताया जा रहा है।मुंबई महानगर पालिका से मिली ने जानकारी के अनुसार बीएमसी ने एक वीडियो के माध्यम से बताया था कि कोस्टल रोड पर सड़कें और फ्लाईओवर किस तरह से बनाये जाएंगे। मरीन ड्राइव से लेकर वर्ली हाजी अली तक यह रोड कैसा बनाया जाएगा। मुंबई महानगर पालिका के अनुसार बीएमसी के इस ड्रीम प्रोजेक्ट कोस्टल रोड पर नवंबर 2020 तक लगभग 1281 करोड़ रुपये खर्च हो चुका था। नवंबर तक इस प्रोजक्ट के लिए अरेबियन सी पर 175 एकड़ जमीन को समतल बनाया जा चुका था और समुद्र के अंदर लगभग 102 एकड़ जमीन को समतल किया जा चुका था। 400 मीटर लंबी टनल के निर्माण के लिए बोरिंग मशीन भी लगाई गई थी। जिसका काम जनवरी में शुरू किया गया था।

महाराष्ट्र को और पद्म पुरस्कार मिलने चाहिए थे - संजय राउत

मुंबई / शिवसेना सांसद संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र विभिन्न क्षेत्रों में देश और दुनिया में योगदान देता है लेकिन इस साल राज्य को महज छह पद्म पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। पत्रकारों से बातचीत में राउत ने कहा कि इस साल महाराष्ट्र से कम से कम 10-12 लोगों को सम्मान मिलना चाहिए था। देश के नागरिक सम्मान तीन श्रेणियों पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री में दिए जाते हैं। ये सम्मान कला, साहित्य, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान, इंजीनियरिंग, जन मामलों, लोक सेवा, व्यापार और उद्यम के क्षेत्र में योगदान के लिए दिए जाते हैं। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 119 पद्म पुरस्कारों सात पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 102 पद्मश्री पुरस्कारों को मंजूरी दी है। महाराष्ट्र से इस साल रजनीकांत श्रॉफ, सिंधूताई सपकल, गिरिश प्रभूने, नामदेव काम्ब्ले, परशुराम गंगवाने और जसवंतिबेब पोपट को पद्म पुरस्कार दिए गए हैं। राज्य में फिलहाल कांग्रेस और राकांपा गठबंधन के साथ सरकार में शामिल शिवसेना के नेता ने कहा, महाराष्ट्र से छह लोगों को पद्म पुरस्कारों के लिए चुना गया है।

भिवंडी के एक गोदाम में लगी भीषण आग, दमकल वाहन मौके पर

मुंबई। महाराष्ट्र के भिवंडी में टक्कछ क्षेत्र में एक गोदाम में वीरवार सुबह भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंच चुके हैं, अग्निशमन अभियान जारी है। मिली जानकारी के अनुसार ये आग भिवंडी तालुका के सरवली एमआईडीसी क्षेत्र में लगी है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। बताया जा रहा है कि जिस समय आग लगी उस समय 30 से 40 श्रमिक गोदाम के अंदर मौजूद थे। हालांकि आग की सूचना मिलते ही श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। बताया जा रहा है कि गोदाम में कच्चे कपड़े, तैयार कपड़े और यार्न का बड़ा स्टॉक रखा हुआ था। आग लगने से करोड़ों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। बीती 25 जनवरी 2021 को भिवंडी के चाविंद्रा-रामनगर स्थित मनपा के डंपिंग ग्राउंड में आग लगने से कचरा डिपो में लगाई गई लाखों रुपये कीमत की बायोमायनिंग मशीन क्षतिग्रस्त हो गई थी। ये आग सुबह के समय लगी थी। आग की सूचना मिलने के बाद भी दमकल वाहन एक घंटे की देरी से घटनास्थल पर पहुंचे जिससे बायोमायनिंग मशीन पूरी तरह से खाक हो गई। कचरे में आग लगने के कारण उसका दूषित धुंआ बड़ी तेजी से आसपास की बस्तियों में पहुंच रहा था

कांच के टुकड़े से नाबालिक पर हमला

नालासोपारा : तुलिंज पुलिस थाने क्षेत्र में एक 16 वर्षीय नाबालिक लड़के के ऊपर कांच के टुकड़े से हमला करने की घटना घटी है। इस घटना मामले पुलिस ने दो आरोपियों पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार,सूर्यमन पांडेय (46),कारगिल नगर,संतोष भुवन,नालासोपारा पूर्व इलाके में रहता है। 17 जनवरी को शाम लगभग 5 बजे के आसपास पांडेय का 16 वर्षीय नाबालिक लड़के को सूरज विश्वकर्मा व सनी विश्वकर्मा द्वारा किसी बात को लेकर कांच के टुकड़े से हमला कर दिया। जिसमें नाबालिक लड़का जख्मी हो गया। वही झगड़ा छुड़ाने गए लड़के के पिता पांडेय को भी गाली - गलौज व धमकी दे डाली। फिलहाल, तुलिंज पुलिस ने शिकायतकर्ता पांडेय की शिकायत पर आरोपी सूरज व सनी के ऊपर कलम 324 व अन्य धाराओं के तहत के दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

नहाने गए तीन बच्चे तालाब में डूबे

दो सही सलामत, एक 15 वर्षीय की मौत

नालासोपारा : पूर्व स्थित तुलिंज पुलिस स्टेशन अंतर्गत शिर्डी-गाला नगर तालाब में तीन बच्चे डूबने की खबर सामने आई है। मौके पर पहुँचे स्थानीय लोगों ने दो को सही सलामत बचा लिया। लेकिन एक 15 वर्षीय बच्चे की डूबने से मौत हो गयी। सूत्रों की माने तो तालाब के बाहर कोई भी सुरक्षा गार्ड नही था और चोरी छुपे दीवाल फांदकर बच्चे तालाब में नहाने गए थे।

प्राप्त जानकारी अनुसार, नालासोपारा पूर्व के शिर्डी-गाला नगर मनपा का तालाब है। 16 जनवरी की शाम वही पास में रहने वाले तीन बच्चे चोरी छुपे दीवाल फांदकर बच्चे तालाब में नहाने गए थे। तालाब का मुख्य गेट बंद था और मनपा द्वारा तैनात सुरक्षा गार्ड मौजूद नहीं था। इस लाभ फायदा उठाकर बच्चे नहाने गए थे। तीनों बच्चों को पानी की गहराई का अंदाजा नहीं होने पर तीनों बच्चे डूबने लगे। बच्चों को डूबते हुए किसी ने देख लिया। इस जानकारी पर कुछ स्थानीय लोगों ने बड़ी मुश्किल से दो बच्चों को सही सलामत पानी से बाहार निकाला।लेकिन रवि मंडल नामक बच्चे को नही बचा पाए। इस घटना की जानकारी समाज सेवक सुरेंद्र राज सिंह ने मनपा दमकल विभाग को सूचित किया। सूचना पर पहुंची मनपा दमकल टीम ने डूबे रवि को खोजने की काफी कोशिश की,लेकिन नही मिला और वापस लौट गयी। इस पर मुख्य अधिकारी का कहना है कि, रात होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतें आ रही थी। और कहां की पानी मे डूबे होने के कारण बॉडी अपने आप तैर कर ऊपर आ जाएगी यह कहते हुए दो घन्टो रेस्क्यू ऑपरेशन कर मनपा दमकल टीम वापस लौट गयी। सुबह रवि की लाश पानी के ऊपर तैरती दिखने पर पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने लाश को बाहार निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया और अकस्मात मृत्यु के तहत मामला दर्ज कर आगे की जाँच में जुट गयी।

महाराष्ट्र की कार चलाने वाली 90 साल की नानी की हो रही हर ओर तारीफ

ठाणे (महाराष्ट्र): ठाणे जिले की करीब 90 साल की नानी का पूरे आत्मविश्वास और उत्साह के साथ कार चलाने (का वीडियो फिलहाल काफी लोकप्रिय हो रहा है. सोशल मीडिया पर नानी की खूब तारीफ हो रही है. नानी गंगाबाई मिरकुटे के परिवार का कहना है कि वह प्राधिकरण से उनके लिए ड्राइविंग लाइसेंस लेने का प्रयास कर रहे हैं. बदलापुर के दाहागांव की रहने वाली नानी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जीवन में उम्र नहीं आत्मविश्वास मायने रखता है.ड्राइविंग सीट पर बैठी नानी ने बताया, ह्यहमैं कार चलाना सिखना चाहती थी और मेरे नाती ने कुछ साल पहले मुझे सिखाया. मैं अभी भी पूरे विश्वास के साथ कार चला पाती हूं. उम्रदराज नानी के नाती विकास भोईर जिले के खरदी गांव में रहते हैं.

पैसा के वाद-विवाद में व्यक्ति पर चाकू से हमला, 2 लोगो के खिलाफ मामला दर्ज,एक गिरफ्तार

नालासोपारा : शहर के पूर्व फायर ब्रिगेड के पास लाखों रुपये के वाद - विवाद के चलते एक 41 वर्षीय शख्स पर चाकू से जानलेवा हमला होने की घटना सामने आई है। तुलिंज पुलिस ने दो आरोपियो के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की तहकीकात में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार,चेतन महेंद्रभाई सोनी (41),अग्रवाल सर्कल,नालासोपारा पूर्व क्षेत्र में रहता है। बताया गया है कि, चेतन का दोस्त राजू ओधीया ने दिलीप काचा से 15 लाख रुपये उधार लिया था। 17 जनवरी को दिलीप व राजू परमार चेतन के पान की दुकान पर पहुंच गए। दिलीप,राजू व राजू ओधीया के बीच पैसा को लेकर वाद विवाद बढ़ गया।इस बीच चेतन ने कहा कि,राजू ओधीया की आर्थिक परिस्थिति ठीक नही है। पैसा वापस करने के लिए समय दे दो,बस इसी बात को लेकर दिलीप,राजू ने चेतन को गाली-गलौज,जानसे मारने के उद्देश्य से चाकू से वार कर दिया। इस हादसे में चेतन गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसे स्थानीय अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। वही पुलिस ने चेतन की शिकायत व बयान के आधार पर आरोपी दिलीप काचा व राजू परमार के ऊपर कलम 307 व अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। वही मामले की जांच कर रहे पीएसआई थोरत्व ने बताया कि, हमले मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।आगे की जांच जा रही है।

संपादकीय

संपादकः मुर्तुजा मामाजीवाला

चंचल का जाना

भजन गायक नरेंद्र चंचल की विदाई एक ऐसी क्षति है, जिसे संगीत की दुनिया में हमेशा महसूस किया जाएगा। एक ऐसी आवाज का मालिक हमारे बीच से चला गया है, जो हमें रूहानी सुकून से भर देता था। उनकी आवाज खैर हमेशा हमारे साथ रहेगी। एक ऐसी आवाज, जिसे दूर से ही थोड़ा-बहुत सुनकर पहचाना जा सकता है। हमारी फिल्मों ने तो उनकी आवाज के जादू का कमोबेश इस्तेमाल किया ही, मगर भजन-जागरण की दुनिया में वह एक सरताज थे। अमृतसर में जन्मे चंचल दिल्ली आ बसे थे और काफी दिनों से बीमार थे। शुक्रवार दोपहर 80 की आयु में वह दुनिया को अलविदा कह गए। पंजाबी परिवार में जन्म लेने के बावजूद उन पर सबद शैली के बजाय सूफी शैली का ज्यादा प्रभाव था। दूर से आती और दूर तक जाने का एहसास कराती उनकी आवाज में एक आह्वान था, इसलिए भजन की दुनिया में उन्हें स्थान बनाने में बहुत वक्त नहीं लगा। उनकी आवाज में दर्द भी था और खुशी भी, पर उनसे भी ज्यादा गुहार। वही गुहार, जो सूफी गायकों में विशेष रूप से पाई जाती है। उनके गले को किसी इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग की जरूरत नहीं थी। अपने स्वाभाविक स्वरूप में ही उनका जादू लोगों को संगीत से सराबोर करता था। उन्हें केवल भजन-कीर्तन के लिए ही नहीं, बल्कि बुल्ले शाह जैसे सशक्त भक्त कवि की रचनाओं को आम लोक व्यवहार में लाने का भी श्रेय दिया जा सकता है।

उन्हें 1973 में ज्यादा ख्याति राज कपूर की फिल्म बॉबी में गाए गीत, बेशक मंदिर मस्जिद तोड़ो... पर प्यार भरा दिल कभी न तोड़ो... के लिए मिली थी। इसके अगले ही साल आई फिल्म बेनाम में उन्होंने न केवल एक बेहतरीन गीत गाया, बल्कि गायक के रूप में अभिनय भी किया था। मैं बेनाम हो गया हिंदी फिल्मों के अमर गीतों में शामिल है। मोहम्मद रफी के साथ गाया गीत तूने मुझे बुलाया शेरा वालिये को भला कौन भूल सकता है? चंचल की आवाज का अगर विश्लेषण किया जाए, तो उनकी सबसे बड़ी खासियत आलाप है। लहराती सुरीली आवाज, जिसमें खनक की पुरजोर मौजूदगी अलग भाव पैदा करती है। अपेक्षाकृत पतली या मीठी आवाज सुनकर ऐसा लगता है कि आवाज विशेष रूप से प्रार्थना-निवेदन के लिए बनी है। व्यक्ति जब भाव में बहता है, उसे जब ईश्वर या देवी मां से किसी चीज की गुहार करनी पड़ती है, तब उसकी आवाज में अनायास एक जोर पैदा होता है, ताकि उसे तत्काल और दूर तक सुना जाए। इसलिए उत्तर भारत में रात्रि जागरणों, माता की चौकी इत्यादि में नरेंद्र चंचल की बहुत मांग रहती थी। उन्होंने न जाने कितने भजन गायकों को प्रेरित किया। एक भजन सम्राट के रूप में अनूप जलोटा को लोगों ने बाद में जाना, लेकिन उनके पहले नरेंद्र चंचल अच्छी तरह जम चुके थे।

इस आंदोलन का यह हश्र तय था

"निहंग घोड़ों पर हथियार लेकर खतरनाक ढंग से घूम रहे थे। उनको रोकने का प्रभावी तरीका पुलिस के पास नहीं था। पुलिसकर्मियों ने आंसू गैस के गोले भी छोडे, तो उसका बहुत असर पड़ता नहीं दिखा। संभवतः पुलिस की यह सदिच्छा रही होगी कि कम से कम बल प्रयोग करके भीड़ को तितर-बितर किया जाए और नियम भंग करने वाले किसान वापस तय रास्तों पर लौट जाएं।

मंगलवार, यानी 26 जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जो कुछ हुआ, उसमें कुछ भी अप्रत्याशित नहीं था, अगर कुछ अस्वाभाविक था, तो वह भोलापन है, जिसके तहत दिल्ली पुलिस ने यह मान लिया था कि किसानों के रूप में एकत्रित भीड़ अपने नेताओं का अनुशासन मानेगी और उनके वायदे के अनुसार निर्धारित रूट पर ही जुलूस निकालेगी। भीड़ वाले आंदोलनों का अब तक का यही इतिहास रहा है कि भीड़ कभी भी अनुशासित तरीके से अपने नेतृत्व की बातें नहीं मानती। इसीलिए राजधानी दिल्ली की सड़कों पर कल जो कुछ भी हुआ, वह काफी हद तक प्रत्याशित था। हाल में एक चर्चा के दौरान मेरे साथ बैठे किसान नेता ने जब यह कहा कि उन्होंने अपने तमाम कार्यकताओं को ह्यब्रीफह्न कर दिया है और कोई अशांति नहीं होगी, तब मुझे हंसी आ गई। मेरा निवेदन था कि वे फौज या पुलिस जैसे किसी बल के सदस्य नहीं हैं, जिन्हें किसी ब्रीफिंग पर आचरण करने का प्रशिक्षण मिला होता है। वे एक ऐसी भीड़ के नेता हैं, जिसे उकसाने पर हिंसक होने की आदत तो है, पर न तो उसके नेताओं में इतना नैतिक बल है और न ही लोगों में उनकी शांति की अपील पर आचरण करने की आदत है कि ब्रीफिंग पर वे शांतिपूर्वक रैली निकालेंगे। फिर, किसानों के 40 से अधिक संगठन इस आंदोलन में शरीक हैं। इन सबका अलग-अलग एजेंडा रहा है और किसी एक फैसले पर उनका पहुंचना लगभग असंभव था। मैंने टीवी चैनलों पर दिन भर की गतिविधियां देखीं और एक बात तो बिना किसी हिचक के कह सकता हूं कि अराजकता की घटनाएं किसान नेतृत्व के साथ-साथ दिल्ली पुलिस के नेतृत्व की अक्षमता का भी बखान कर रही थीं। मुझे लगता है कि इस तरह का दयनीय प्रदर्शन दिल्ली पुलिस ने सिर्फ 1984 के

सिख विरोधी दंगों में दिखाया था। जहां से हिंसा की शुरूआत हुई और बाद में जहां-जहां अराजकता दिखी, कहीं भी एक पेशेवर पुलिस नेतृत्व के दर्शन नहीं हुए। शायद बहुत अधिक राजनीतिक हस्तक्षेप ने इस बल को इस लायक नहीं छोड़ा है कि वह कोई पेशेवर फैसला कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने रैली निकालने या न निकालने की बात पुलिस के विवेक पर छोड़ दी थी, ऐसी स्थिति में उसके सामने सांप-छछूंदर जैसी स्थिति पैदा कर दी थी। यदि वह रैली की इजाजत न देती, तो उसे अलोकतांत्रिक रवैया अपनाने का दोषी ठहराया जाता और इजाजत देते समय उसने जिनकी गारंटी ली, वे किसान नेता किसी भी नैतिक बल से रहित थे।

मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर रहा कि किसानों की मांगें सही हैं या सरकार का रुख ठीक है, लेकिन सच यही है कि दोनों पक्ष अड़ गए हैं और दोनों अपने-अपने रवैये को बदलने के लिए तैयार नहीं हैं। न सरकार इन तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने को तैयार दिख रही है, और न किसान इन कानूनों को रद्द किए बिना वापसी के लिए तैयार हैं। यह ऐसा गतिरोध है, जिसे खत्म करने के लिए बीच का सम्मानजनक रास्ता निकाला जाना चाहिए था। मगर ऐसा नहीं हो सका, और मंगलवार को जो कुछ हुआ, उसने इस आंदोलन को बदनाम और कमजोर कर दिया। दिल्ली की तमाम सीमाओं को पार करते किसानों की जो तस्वीरें सामने आई हैं, वे यही बता रही हैं कि शुरू में पुलिस को जिस तरह की सख्ती बरतनी चाहिए थी और उनको नियंत्रित करना चाहिए था, वैसा वह नहीं कर पाई।

इसी वजह से बैरिकेड तोड़कर ट्रैक्टर शहर के अंदर आ गए। निहंग घोड़ों पर हथियार लेकर खतरनाक ढंग से घूम रहे थे। उनको रोकने का प्रभावी तरीका पुलिस के पास नहीं था। पुलिसकर्मियों ने आंसू गैस के गोले भी छोडे, तो उसका बहुत असर पड़ता नहीं दिखा। संभवतः पुलिस की यह सदिच्छा रही होगी कि कम से कम बल प्रयोग करके भीड़ को तितर-बितर किया जाए और नियम भंग करने वाले किसान वापस तय रास्तों पर लौट जाएं। दरअसल, यह स्थिति एक अक्षम पुलिस नेतृत्व के कारण ही बनी और इसका उल्लेख मैं ऊपर कर ही चुका हूं। आजादी के आंदोलन की बात और थी। उसके बाद के तमाम आंदोलनों का अनुभव यही बताता है कि भीड़ नेतृत्व की बात सुनती नहीं है। असहयोग आंदोलन को याद कीजिए। जब यह आंदोलन अपने शीर्ष पर था, तब महात्मा गांधी ने चौरीचौरा कांड के बाद इसे वापस ले लिया। आज ऐसा कोई नेतृत्व हमारे पास नहीं है, जिसके पास गांधीजी जैसा नैतिक बल हो कि एक आह्वान पर वह आंदोलन वापस ले ले। कल की दिल्ली हिंसा का एक नुकसान और है। शायद ही राजधानी में अब कोई किसान नेताओं पर विश्वास करेगा।

हिंसा की इजाजत तो कोई भी सरकार नहीं दे सकती। आंदोलन के नेताओं को सम्मानजनक वापसी के लिए अब सोचना चाहिए। हालांकि, बडे. आंदोलनों की एक बड़ी समस्या यह भी होती है कि आयोजक किसी सम्मानजनक वापसी का दरवाजा खुला नहीं रखते।

पिछले साल शाहीन बाग आंदोलन में यही हुआ कि अपने चरम पर पहुंचकर आंदोलनकारियों को समझ ही नहीं आया कि वे वापसी कैसे करें? अंततः उन्हें भयानक निराशा हाथ लगी। किसान आंदोलन में मजेदार बात यह हुई कि सरकार और किसान नेताओं के बीच 10 से अधिक दौर की बैठकें हुईं, हर बार जब लगता था कि कोई रास्ता निकल आएगा, तब किसी न किसी वजह से फैसला टल जाता। किसी के गले यह नहीं उतरा कि अगर सिर्फ यही कहना था कि बिना कृषि कानूनों के वापस लिए वे आंदोलन नहीं खत्म करेंगे, तो इसके लिए विज्ञान भवन जाने की जरूरत क्या थी? शायद नेतृत्व की बहुलता इसके पीछे बड़ा कारण था। बहरहाल, 26 जनवरी, 2021 का अनुभव इतना खराब रहा कि इसे दिल्ली पुलिस, केंद्र सरकार और किसान नेता, सभी भूल जाना चाहेंगे।

घर-संसार

काली पूजा के चमत्कार, जानिए रहस्य...

कलिकाल में हनुमान, दुर्गा, कालिका, भैरव, शनिदेव को जाग्रत देव माना गया है। भगवान शंकर की चार पत्नियां में से एक मां काली को सबसे जाग्रत देवी माना गया है। शिव की पहली पत्नी दक्ष-प्रसूति कन्या सती थी। दूसरी हिमालय पुत्री पार्वती थी। तीसरी उमा और चौथी कालिका।कालिका की उपासना जीवन में सुख, शांति, शक्ति, विद्या देने वाली बताई गई है, लेकिन यदि उनकी उपासना में कोई भूल होती है तो फिर इसका परिणाम भी भुगतना होता है।

कालका के दरबार में जो एक बार चला जाता है उसका नाम-पता दर्ज हो जाता है। यहां यदि दान मिलता है तो दंड भी। आशीर्वाद मिलता है तो शाप भी। यदि मन्नत पूर्ण होने के बदले में जो भी वचन दिया है तो उसे तुरंत ही पूरा कर दें। जिस प्रकार अग्नि के संपर्क में आने के पश्चात पतंगा भस्म हो जाता है, उसी प्रकार काली देवी के संपर्क में आने के उपरांत साधक के समस्त राग, द्वेष, विघ्न आदि भस्म हो जाते हैं। कालीका के प्रमुख तीन स्थान है:- कोलकाता में कालीघाट पर जो एक शक्तिपीठ भी है। मध्यप्रदेश के उज्जैन में भैरवगढ़ में गढ़कालिका मंदिर इसे भी शक्तिपीठ में शामिल किया गया है और गुजरात में पावागढ़ की पहाड़ी पर स्थित महाकाली का जाग्रत मंदिर चमत्कारिक रूप से मनोकामना पूर्ण करने वाला है।

10 महाविद्याओं में से साधक महाकाली की साधना को सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली मानते हैं, जो किसी भी कार्य का तुरंत परिणाम `ती हैं। साधना को सही तरीके से करने से साधकों को अष्टसिद्धि प्राप्त होती है। काली की पूजा या साधना के लिए किसी गुरु या जानकार व्यक्ति की मदद लेना जरूरी है। 10 महाविद्याओं में से एक मां काली के 4 रूप हैं दक्षिणा काली, शमशान काली, मातृ काली और महाकाली। हालांकि मां कालिका की साधना के कई रूप हैं लेकिन भक्तों को केवल सात्विक भक्ति ही करना चाहिए। शमशान काली, काम कला काली, गुह्य काली, अष्ट काली, दक्षिण काली, सिद्ध काली, भद्र काली आदि कई मान से मां की साधना होती है। हाकाली को खुश करने के लिए उनकी फोटो या प्रतिमा के साथ महाकाली के मंत्रों का जाप भी किया जाता है।

राजपथ पर इस बार यूपी ने मारी बाजी, राम मंदिर मॉडल वाली झांकी को मिला पहला स्थान

लखनऊ। दिल्ली में गणतंत्र दिवस के दिन राजपथ पर निकली परेड में इस बार उत्तर प्रदेश ने बाजी मारी है। राजपथ पर निकली राज्यों की झांकियों में से उत्तर प्रदेश की भव्य झांकी को पहला स्थान मिला है। इस बार परेड में उत्तर प्रदेश की ओर से राम मंदिर मॉडल की झांकी प्रस्तुत की गई थी। इस झांकी को देश की अन्य झांकियों में सबसे अच्छा चुना गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को दिल्ली में पुरस्कार देकर सम्मानित करेंगे। प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में बन रहे भव्य और दिव्य मंदिर का वैभव इस बार दिल्ली में राजपथ के जरिये पूरी दुनिया देखा। जैसे ही यह झांकी राजपथ पर गुजरी हर किसी का मन मोह गया। कई लोग खड़े होकर तालियां बजाने लगे तो कई लोग अपनी जगह पर हाथ जोड़कर खड़े हो गए। पीएम नरेंद्र मोदी के चेहरे पर भी मंदिर का मॉडल देखकर एक चमक आ गई। पछले वर्ष अयोध्या में राम मंदिर के शिलान्यास समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ह्यसबके हैं रामह्ल का संदेश भी दिया था। इस वर्ष के गणतंत्र दिवस में उत्तर प्रदेश की भव्य झांकी को प्रथम स्थान पाने का गौरव प्राप्त ,सारी टीम को दिल से बधाई ।गीतकार विरेंद्र सिंह को विशेष आभार ।कल दिल्ली में मा. रक्षा मंत्री जी पुरस्कार प्रदान करेगे सूचना निदेशक शिशिर ने दी जानकारी : उत्तर प्रदेश के सूचना निदेशक शिशिर ने उत्तर प्रदेश की ओर से प्रस्तुत की गई राम मंदिर मॉडल की झांकी को प्रथम पुरस्कार मिलने की जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट किया

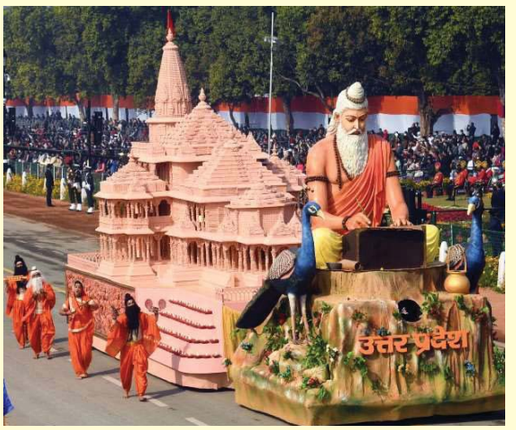

कि इस वर्ष के गणतंत्र दिवस में उत्तर प्रदेश की भव्य झांकी को प्रथम स्थान पाने का गौरव प्राप्त, सारी टीम को दिल से बधाई। गीतकार विरेंद्र सिंह को विशेष आभार। उन्होंने बताया कि हर किसी ने राम मंदिर मॉडल को पहला स्थान मिलने की बधाई दी। सभी लोगों को धन्यवाद। इस तरह की प्रशंसा से काम करने की प्रेरणा मिली है। उन्होंने बताया कि यूपी को दो वर्षों से पुरस्कार मिल रहा है। हालांकि पिछली बार दूसरा स्थान मिला था। इस बार पहला स्थान मिला है।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर किया यौनशोषण

पूर्णियाः नाबालिग से यौनशौषण करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यह मामला तब प्रकाश में आया जब रूपौली थाना में शुक्रवार को सिंहपुर दियारा पंचायत की एक नाबालिग लड़की मां के साथ पहुंच कर गांव के ही युवक दिलशाद (23) के खिलाफ यौनशोषण किये जाने का आवेदन दिया। इस संबंध में रूपौली थानाध्यक्ष बिपिन कुमार ने बताया की पीड़िता की ओर से लिखित आवेदन मिला है।

जांच के बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जायेगी। पीड़िता ने इसी वर्ष आठवीं पास की है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी युवक दो माह पूर्व उसकी मां के मोबाइल पर कॉल किया जो संयोग से पीड़िता ने रिसीव किया। इसके बाद दोनों में मोबाइल पर बात होने लगी। आरोपी युवक ने शादी का झांसा देकर उसे प्रेम जाल में फंसा लिया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे एक मोबाइल सिम सहित खरीद कर भी दिया इसके बाद वह लगातार बात करने लगी। गुरुवार को आरोपी ने देर रात पीड़िता को फोन कर घर के लोगों के बारे में पूछकर घर पर चला आया।

आरोपी ने जबरन उसके साथ संबंध बना लिया। विरोध करने पर आरोपी ने कहा कि वह सुबह उससे निकाह कर लेगा। मामले की जानकारी जब पीड़िता ने अपने घरवालों को दी तो मामले को लेकर गांव में पंचायती भी हुई। आरोपी और उसके परिजनों ने भरी पंचायत में लड़की और उसके परिजनों द्वारा लगाए जा रहे .

बिहार में बीजेपी नेता को लगी गोली तो कांग्रेस ने सरकार पर किया हमला

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रो. अजफर शमसी को मुंगेर के जमालपुर कॉलेज परिसर में अपराधियों ने बुधवार को गोली मार दी। गंभीर अवस्था मे प्रो. शमशी का पटना में इलाज चल रहा है। राज्य में घटी इस घटना ने कांग्रेस को सरकार पर हमला करने का मौका दे दिया है। उसने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इस्तीफा की मांग की है। बिहार कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता अजीत शर्मा ने कहा कि नीतीश सरकार की अपराधियों पर पकड़ समाप्त हो चुकी है। राज्य की गिरती

विधि-व्यवस्था को नियंत्रित करना अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके प्रशासन के बूते के बाहर की बात हो चुकी है। नीतीश कुमार को इस्तीफा करना चाहिए, ताकि राज्य में तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सरकार बने और राज्य के लोग अमन-चैन से जिंदगी बसर कर सकें।

पाकिस्तान की जेल में 18 साल से बंद महिला भारत लौटी, कहा- जबरदस्ती किया गया था कैद

औरंगाबाद। 18 साल से पाकिस्तान की जेल में बंद 65 वर्षीय हसीना बेगम आखिरकार मंगलवार 26 जनवरी को अपने वतन लौट आई हैं। हसीना बेगम वर्ष 2002 में अपने एक रिश्तेदार से मिलने लाहौर गई थी, लेकिन पासपोर्ट खो जाने के बाद उन्हें पाकिस्तान की जेल में बंद कर दिया गया। औरंगाबाद पुलिस ने इस मामले पर रिपोर्ट दर्ज करवायी जिसके बाद मंगलवार को वो अपने देश भारत लौट आईं। यहां लौटने पर हसीना बेगम के रिश्तेदारों और औरंगाबाद पुलिस अधिकारियों ने

उनका स्वागत किया। हसीना ने कहा, मैं बहुत मुश्किल दौर से गुजरी और अपने देश लौटने के बाद मुझे शांति का अहसास हो रहा है।

मुझे लग रहा है जैसे मैं स्वर्ग में हूं। मुझे पाकिस्तान में जबरदस्ती कैद कर लिया गया था। उन्होंने कहा, मैं इस मामले में रिपोर्ट दर्ज करने के लिए औरंगाबाद पुलिस को धन्यवाद देना चाहती हूं।

यागराज संगम तट पर उमड़ा जनसैलाब पौष पूर्णिमा पर श्रद्धालु लगा रहे आस्था की डुबकी

प्रयागराज। तीर्थराज प्रयाग का संगम तट गुरुवार को पौष पूर्णिमा पर आस्था के जन प्रवाह का साक्षी बना। इसके साथ ही गृहस्थों का अखंड तप कल्पवास गुरुवार की भोर से ही पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ आरंभ हो गया। जन्म जन्मांतर के पापों से मुक्ति, पूर्वजों की तृप्ति व मोक्ष की प्राप्ति की संकल्पना साकार करने के लिए संगम तीरे माहभर अर्थात माघी पूर्णिमा (27 फरवरी) तक कल्पवास चलेगा। समस्त आराध्य व पितरों को नमन करके रेती में धूनी रमाकर गृहस्थ तपस्वी की भांति जप-तप, अनुष्ठान व त्याग करेंगे।

मां के पीछे-पीछे छत पर पहुंचा 5 साल कि मासूम, फिर बहन के साथ खेलते-खेलते तीसरी मंजिल से गिरी , मौत

भोपालः मध्य प्रदेश के भोपा शहर में बजरिया थाने के पुरुषोत्तम नगर एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें 5 साल की मासूम तीसरी मंजिल की छत पर से नीचे गिर गई। बताया जा रहा है कि हादसे के दौरान छत पर ही मासूम की मां कपड़े उतार रही थी। वहीं, करीब 72 घंटे के बाद आखिरकार उसकी मौत हो गई। घटना के बारे में जानकारी देते हुए बजरिया थाने के विवेचना अधिकारी राजेंद्र यादव ने बताया कि बच्ची के प्रमोद कुमार साहू प्राइवेट जॉब करते हैं। वे पुरुषोत्तम नगर के सेमरा कला में तीन मंजिला मकान में अपने परिवार के साथ किराए से रहते हैं। उन्होंने बताया कि, बीते तेईस जनवरी की शाम करीब 4 बजे उनकी

पत्नी छत पर कपड़े लेने चली गई। इसी दौरान उनकी 5 साल की बेटी विभा और 8 साल का बेटा भी सीढ़ियां चढ़कर मां के पीछे-पीछे छत पर पहुंच गए।

कविता

सहजता से परीक्षा का सामना कैसे करें ?

- आज का विद्यार्थी केवल परीक्षार्थी होना किसी विषय का अध्ययन करने का अर्थ वह विषय केवल पढना नहीं अपितु वह विषय पूर्णतः समझकर उसपर आचरण करना है । विद्यार्थी एक कक्षा से दूसरी कक्षा में जाने के लिए जो प्रयास करते हैं, उसे हम पढाई अथवा अध्ययन कहते हैं; परन्तु वह केवल परीक्षा की सिद्धता होती है; क्योंकि परीक्षा समाप्त होने के पश्चात उस विषय से सम्बन्धित प्रश्न पूछने पर बालक उसका उत्तर नहीं दे पाते । इसलिए आज का विद्यार्थी केवल परीक्षार्थी बन गया है ।
- मन से परीक्षा का भय अथवा चिंता कैसे दूर करेंगे ?

मित्रो, परीक्षा निकट आने पर हम भयभीत हो जाते हैं । इसका कारण समझ में नहीं आता तथा समझने पर भी आगे क्या करना है, यह नहीं सूझता । इस के लिए निम्नांकित सूत्रों का उपयोग होगा । - अ. परीक्षा आनंददायी होने के लिए यह करें ! - स्वयं के विषय में नकारात्मक विचार न करें । ऐसे नकारात्मक विचार अथवा मन को भ्रमित करनेवाले विचार लिख लें तथा उस विषय में माता-पिता से चर्चा करें ।

- स्वयं की क्षमता समझें, स्वयं की तुलना अन्यों से न करें ।
- परीक्षा में मिलनेवाले अंकों को सर्वस्व न मानें ।
- परीक्षा के लिए जाने से पूर्व मारामारी, हत्या इत्यादि प्रसंगवाले कार्यक्रम न देखें । आनन्द के क्षणों का स्मरण करें ।
- घर के अन्नपदार्थ ग्रहण करें ।
- .प्रत्येक विषय की गत वर्ष की प्रश्नपत्रिका हल करें, जिस से आप के मन में परीक्षा का जो भय है .

फेशियल कराने के बाद ना करें ये गलतियां

ज्यादातर लोग फेशियल तो कर लेते है, लेकिन फेशियल के बाद स्किन को क्लीन बनाने के बारे में नहीं सोचते। हम आपको आज ऐसे फेशियल के बारे में बताने जा रहे है जो हेल्दी और ग्लोइंग बनाता है। धूल, मिट्टी और प्रदूषण का असर हमारे चेहरे पर दिखाई देने लगता है। जिसकी वजह से दाग-धब्बे, कील-मुंहासे, डलनेस, झुर्रियां और काले घेरे जैसी परेशानियां होने लगती है। इन सब के लिए हम आज बताने जा रहे है कि फेशियल के बाद फेस पर क्या लगाए। फेशयल चेहरे पर किया जाने वाला एक मल्टी पर्पज स्किन ट्रीटमेंट है, जिसमें स्टीम, फेस मास्क, और फेस मसाज किया जाता है। साथ ही कई तरह की क्रीम और लोशन का इस्तेमाल भी किया जाता है। कई तरह के फेशियल ट्रीटमेंट होते हैं, जिसे अपनी स्किन के हिसाब से लगाया जाता है।विटामिन सी का सीरम फेशियल के बाद चेहरे के लिए बेहद अच्छा होता है। ज्यादा तापमान और प्रदूषण से आपकी त्वचा को बचाता है। साथ ही डिहाइड्रेट और झुर्रियों को भी खत्म करता है। विटामिन सी चेहरे के लिए बेहद अच्छा होता है। अधिकतर लोग फेशियल तो कर लेते है, लेकिन फेशियल करने के बाद अपने चेहरे को ठीक से नहीं धोते। जिसकी वजह से स्किन खराब हो जाती है। बता दें फेशियल के 24 घंटे बाद आप अपना चेहरा धो सकते है, लेकिन खुशबू से मुक्त फेसवॉश का इस्तेमाल करें। संवेदनशील होने पर आप वॉशक्लॉथ या एक्सफोलीएटिंग ब्रश के साथ गुनगुने पानी और अपनी उंगलियों का उपयोग करें।

वजन को कंट्रोल करने में आपकी मदद करे जुकिनी, जानिए इसके 8 फायदे

स्वस्थ शरीर के लिए हेल्दी डाइट लेना बहुत ही जरूरी है। शरीर को सेहतमंद रखने में सब्जियों का भी अहम योगदान होता है। अधिकतर डॉक्टर शारीरिक और मानसिक विकास के लिए सब्जियां खाने की सलाह देते हैं। मार्केट में आपको कई तरह की हरी सब्जियां मिल जाएंगी। इन्हीं हरी सब्जियों में से एक है जुकिनी। जुकिनी कद्दू की ही एक प्रजाति है। इस सब्जी में कई औषधीय गुण छिपे होते हैं। सेहतमंद शरीर के लिए जुकिनी का सेवन करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इस सब्जी का सेवन करने से कई बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। डायट मंत्रा क्लीनिक की डायटीशियन कामिनी कुमारी का कहना है कि जुकिनी का वैज्ञानिक नाम क्युकरबिटा पेपो है। इसे कई लोग कोर्टगेट के नाम से भी जानते हैं। यह आपको सभी सीजन में आसानी से मिल जाएगा। पौष्टिकता से भरी इस सब्जी में विटामिन ए, विटामि सी, विटामिन के, पोटैशियम, फाइबर इत्यादि पोषक तत्व भरपूर रूप से मिल जाएंगे। आइए इस

लेख के माध्यम से जानते हैं जुकिनी खाने के फायदे और नुकसान - इस लेख के माध्यम से हम आपके साथ जुकिनी के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं। ध्यान रहे कि किसी भी तरह की डाइट बीमारी को जड़ से खत्म नहीं करती है, बल्कि यह उस बीमारी के लक्षणों को कम करने की क्षमता रखती है। साथ ही आपको बीमारियों से बचाती है। अगर आप किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित हैं, तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें। खुद ब खुद इलाज करने की कोशिश ना करें। आइए अब जानते हैं जुकिनी खाने के फायदों के बारे में आंखों को रखे स्वस्थ बढ़ती उम्र के साथ-साथ आंखों की रोशनी भी कमजोर होने लगती है। ऐसे में जुकिनी का सेवन करना आपके लिए फायदेमंद हो सकती है। दरअसल, जुकिनी में ल्यूटिन और जेक्सैथीन भरपूर रूप से होता है। ये एक ऐसे तत्व हैं, जो आंखों की रोशनी को बढ़ाती है। साथ ही यह बढ़ती उम्र में होने वाली आंखों की समस्याओं को भी कम करने में आपकी मदद कर सकती है। जुकिनी में ल्यूटिन और जेक्सैथीन समृद्ध रूप से होता है। ऐसे में आंखों की रोशनी को सही रखने के लिए जुकिनी का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। दिल को स्वस्थ रखने में जुकिनी का सेवन करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। दरअसल, कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल रखकर आप हृदय स्वास्थ्य को सुधार सकते हैं। ऐसे में जुकिनी आपकी मदद कर सकता है। जुकिनी एक फाइबरयुक्त आहार है। फाइबर के सेवन से कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल किया जा सकता है। जुकिनी का सेवन करना हृदय की बीमारियों के जोखिम को कम कर सकता है। ब्लड प्रेशर को करे कंट्रोलब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में भी जुकिनी आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसमें पोटैशियम होता है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर सकता है। ऐसे में ब्लड प्रेशर के मरीजों को जुकिनी दें। यह आपके लिए ज्यादा फायदेमंद है।

फिल्म त्रिभंगा मां और बेटी के रिश्ते पर बनी खूबसूरत कहानी है त्रिभंगा

मूवी में काजोल ने फूंकी जान

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल की फिल्म त्रिभंगा ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म में काजोल के अलावा मिथिला पालकर, तन्वी आजमी, कुणाल रॉय कपूर जैसे सितारों ने काम किया है। फिल्म में तीन पीढ़ियों के मां-बेटी के बीच बनते-बिगड़ते रिश्ते के जरिए खूबसूरती से पिरोया गया है। यह फिल्म अस्पताल के बिस्तर पर लेटी नयनतारा आप्टे (तन्वी आजमी), एक्ट्रेस और ओडिशी डांसर अनुराधा आप्टे (काजोल) और माशा मेहता (मिथिला पालकर) के रिश्तों की कहानी है। नयन और अनु अपनी शर्तों पर जिंदगी जीते हैं। उन्होंने कई बार समान की मान्यताओं और रूढ़ियों के खिलाफ जाकर काम किया है। दोनों ने समाज में अपनी प्रतिभा और जिद से जगह बनाई है। अनुराधा एक रूसी युवक के साथ लिव-इन में रह कर प्रेग्नेंट हो जाती है। वह बच्ची को जन्म देती है, लेकिन कभी शादी नहीं करती। अनुराधा और नयनतारा का जीवन कभी स्थिर नहीं रहा। दोनों के जीवन में पुरुष आते-जाते रहे, लेकिन माशा ऐसी नहीं है। नानी और मां की टूटी-बिखरी जिंदगी को देखने के बाद माशा अपने और अपने बच्चे के लिए एक स्थिर जिंदगी चाहती हैं। फिल्म के आखिर में तीनों की जिंदगी किस मोड़ पर आकर ठीक होती है, यह जानने के लिए आपको पूरी फिल्म देखनी पड़ेगी।काजोल ने अपनी एक्टिंग से फिल्म में जान फूंक दी है। मां और एक बेटी के रोल में उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। ऐसा लगता है कि इस फिल्म से दर्शकों का दिल जीतने का भार उनके कंधों पर ही था और उन्होंने अपनी इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है।

वर्मा जी वकील से : मुझे अपनी पत्नी से तलाक चाहिए , वो पिछले 6 महीने से मुझसे बात नहीं कर रही
वकील : एक बार अच्छी तरह से सोच लो , ऐसी पत्नी बार बार नहीं मिलती

पति हाथ पाँव छिलवाकर और एक आंख सुजवाकर घर आयाङ्क
पत्नी ने घबराकर पति से पूछा : क्या हुआ ???
पति : कुछ नहीं, एक औरत स्कूटी से टक्कर मार के निकल गई
पत्नी : झ तो उसके स्कूटर का नंबर नोट किया, कौन थी ?? कुछ तो याद होगा
पति : झ नहीं, दर्द के कारण स्कूटर का रंग और नंबर तो नहीं देख पाया पर बहुत गोरी व सुनहरे बाल वाली थी उसने गहरे हरे रंग का सूट पहना था, गुलाबी कलर की चूड़ियां , गहरे लाल कलर की लिपस्टिक, कानों में हीरे की बालियां थी, हाथों में मेहंदी लगी थी और हाँ दायें गाल पे होठों के पास तिल भी था इतना बताते ही पतिदेव की दूसरी आंख भी सूज गयी ....

एक सेल्समैन घर-घर जाकर किताबें बेचने का काम करता था उसने एक घर की डोरबेल बजाई तो एक महिला ने दरवाजा खोला। सेल्समैनः मैडम मेरे पास एक किताब है, जिसमें पतियों के रात देर तक बाहर रहने के 500 बहाने बताये गए है..

वरीना हुसैन अब साउथ इंडस्ट्री में रखेंगी कदम

बॉलीवुड अभिनेत्री वरीना हुसैन अपनी आगमी फिल्म ह्यद इन्कम्प्लीट मैनङ्क की शूटिंग गोवा में कर रही हैं। इस प्रोजेक्ट को लेकर वरीना काफी व्यस्त हैं। वही एक खबर ये भी है कि वो बॉलीवुड के साथ साथ साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी कदम रखने जा रही हैं। अगर सूत्रों की मानें तो वरीना बहुत ही जल्द साउथ फिल्मों में नजर आएंगी। उन्होंने हालही में साउथ के एक बड़े प्रोडक्शन हाउस एन टी आरङ्क प्रोडक्शन के साथ एक बिग बजट फिल्म के लिए हामी भरी है, जोकि उनके फैन्स के लिए खुशी की खबर है। सूत्रों की मानें तो वरीना गोवा की शूटिंग खत्म कर अगले महीने हैदराबाद जाएंगी। वरीना अपने शूटिंग के दौरान गोवा से कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए नजर आईं, देखिए कुछ तस्वीरें। वरीना हुसैन एक मांझी हुई कलाकार के साथ साथ काफी टैलेंटेड हैं, जिन्होंने अपने अभिनय की बदौलत सुर्खियां और प्रशंसा पाई है। वरीना ने फिल्म लव यात्री से अपना डेब्यू किया था जिसे सलमान खान फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। अपनी डेब्यू फिल्म के बाद वरीना ने मशहूर रैपर बादशाह के साथ एक उबेर कूल गाना किया.

रिलीज हुई कागज, पंकज त्रिपाठी की एक्टिंग ने लगाए फिल्म में चार चांद

डिजीटल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जी-5 पर आज फिल्म ह्यकागजङ्क रिलीज हुई है। सतीश कौशिक द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी लीड रोल में हैं। इसके अलावा खुद सतीश कौशिक, एम मोनल गज्जर, मीता वशिष्ठ, अमर उपाध्याय, नेहा चौहान, संदीपा धर, ब्रिजेंद्र काला जैसे कलाकारों ने भी फिल्म में अहम भूमिका निभाई है। फिल्म का ट्रेलर कई दिनों पहले ही रिलीज हो गया था। उसके बाद से ही वाले पंकज त्रिपाठी के फैन्स फिल्म के रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। फिल्म की कहानी काफी रोमांचक और अचंभित कर देने वाली है। उस पर पंकज त्रिपाठी की एक्टिंग सोन पर सुहागा का काम करती है। दरअसल फिल्म की कहानी एक ऐसे व्यक्ति के जीवन पर आधारित है, जो असल में तो जिंदा होता है लेकिन कागजी दस्तावेजों में उसे मृत घोषित कर दिया जाता है। इसके बाद पूरी फिल्म इसी कहानी के इर्द-गिर्द घूमती नजर आती है। इस दौरान फिल्म में देश के सरकारी तंत्र की खस्ता हालत दिखाने की कोशिश की जाती है कि कैसे देश का सिस्टम पूरी तरह से किसी भीं इंसान की आसान और नॉर्मल जिंदगी को बर्बाद कर सकता है। कैसे महीनों अदालत और कोर्ट-कचहरी करने के बाद भी आसानी से न्याय नहीं मिलता है। पूरी फिल्म एक ऐसे ही इंसान की कहानी है जो खुद को जिंदा साबित करने के लिए पूरे सरकारी सिस्टम के खिलाफ संघर्ष करता है। इस संघर्ष में वह अपने जैसे और भी तमाम लोगों को भी इस लड़ाई में शामिल करता है।फिल्म की कहानी की बात करें तो यह शुरू में तो थोड़ी हल्की लगती है लेकिन बाद में फिल्म सीरियस होती चली जाती है। एक दर्शक के तौर पर आप भी फिल्म में रमते चले जाते हैं। हालांकि कहीं-कहीं पर फिल्म की कहानी थोड़ी स्लो भी होती है .

महाराष्ट्र में 5वीं से 8वीं के छात्रों के लिए भी खुले स्कूल, कक्षा 1 से 4 तक खोलने पर विचार

मुंबईः कोरोना महामारी के कारण महाराष्ट्र में बीते 10 माह से बंद पड़े स्कूलों के दरवाजे कक्षा 5वीं से 8वीं कक्षा के छात्रों के लिए बुधवार से खोल दिए गए हैं। सुबह से ही पुणे समेत राज्य के स्कूलों में छात्रों की भारी भीड़ नजर आ रही है, स्कूल आने वालों छात्रों में भी उत्साह देखा जा रहा है। स्कूलों में इस दौरान कोविड नियमों का पूरा पालन किया जा रहा है मास्क पहनकर आने वाले छात्रों को ही स्कूल परिसर में आने की इजाजत दी जा रही है। कई स्कूलों में भी मास्क का इंतजाम किया गया है। कोरोना संक्रमण को देखते हुए स्कूल के शिक्षकों और छात्रों को निगेटिव आरटी-पीसीआर टेस्ट रिपोर्ट जमा करने के लिए कहा गया है। हालांकि मुंबई के स्कूलों को अभी बंद रखा गया है। राज्य सरकार के स्कूल शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने मंगलवार को कहा कि अगर स्कूल 5 से 8 तक कक्षाएं आसानी से चला पाते हैं तो महाराष्ट्र सरकार कक्षा 1 से 4 के छात्रों के लिए स्कूलों को फिर से खोलने पर विचार करेगी। मुंबई से लगभग 515 किलोमीटर दूर परभणी शहर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए, मंत्री ने कहा कि कक्षा 5 से 8 के लिए स्कूलों को फिर से खोलने के लिए अधिकांश शिक्षकों के आरटी-पीसीआर परीक्षण किए गए थे।

फिरौती की रकम से बेटी की शादी करवाना चाहता था ड्राइवर, मालिक के जुड़वा बच्चों को किया अगवा

मुंबई : मुंबई के अंधेरी में पुलिस ने एक अपहरण मामले का भांडाफोड़ किया है। यहां एक ड्राइवर ने रिश्तेदार के साथ मिलकर अपने ही बिल्डर मालिक के जुड़वा बच्चों को अगवा किया। इस मामले को लेकर अब पुलिस ने बताया है कि बिल्डर के लिए काम कर रहे ड्राइवर ने बच्चों के अपहरण की योजना बनाई थी ताकि वह इसके एवज में 1 करोड़ रुपये की फिरौती ले सके। पुलिस अधिकारी ने बताया, पूछताछ के दौरान ड्राइवर ने कबूल किया है कि अपनी बेटी की शादी करवाने के लिए उसने ही मालिक के जुड़वा बच्चों को अगवा करने की साजिश रची थी।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत,एक घायल

विरार : शहर पश्चिम क्षेत्र में वाहन सड़क दुर्घटना में एक की दर्दनाक मौत,जबकिं एक घायल होने की घटना सामने आई है।विरार पुलिस ने वाहन चालक पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।मिली जानकारी के अनुसार,नयनेश कैलास सोनवणे (37),साई लिला बिल्डिंग, कोंकण नगर,नारंगी रोड,विरार पश्चिम में रहता था।बताया गया है कि,घटना के दिन नयनेश व शाहरुख कमाल शेख,निवासी-गोपचरपाडा,विरार पूर्व के साथ बुलेट मोटरसाइकिल क्र. एम.एच 02-डी.बी 3500 से बैठकर तेज रफ्तार से डोंगरपाडा रोड, विरार पश्चिम की तरफ जिम के लिए जा रहा था। तभी शेख का संतुलन खो गया,और मोटरसाइकिल स्लीप हो गई। गाड़ी की तेज गति के चलते हादसे में नयनेश गंभीर रूप से जख्मी होने से उसकी मौत हो गई,जबकि शेख घायल हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौप दिया है। वही पुलिस ने वाहन चालक शाहरुख कमाल शेख के ऊपर कलम 304 (अ) व अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

TASNEEM COLLECTION
Online Shopping Hub
Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories
Kitchen & Household items
Baby products
Plastic items
And much more.....all under one roof
Best business apportunity for housewives to become reseller & earn at zero investment
RH 1, C 26 row house number, Swamy Ayyappam temple road, Sector. 8, New Mumbai, Vashi-400 703
Farida Rampurawala : 8898065152

Opening Shortly
SHANKESHWAR
Jewellers
We Buy Old GOLD, SILVER, DIAMOND JEWELLERY & WATCHES AT
HIGHEST PRICES
WE SALE ALL TYPE OF STONE WITH FINGER RINGS
CORAL | DIAMOND | PEARL | EMERALD
PEARL | RUBY | TOPAZ | CATEYE
BLUE SAPPHIRE | GARNET
GAUTAM D JAIN 9820914731
SHAILESH D JAIN 9819755005
Shop No. 4, Himgiri, Apna Ghar Unit No.8, OPP.Food Inn Hotel, Lokhandwala Complex, Andheri(W),Mumbai-53

Excel Education
ADMISSION OPEN NOW
2021 – 22
Enhance your learning through practice of knowledge.
Avail the best opportunity for ECONOMICS & COMMERCE TUTIONS at your DOOR step for STD IXth , Xth , XIth & XIIth
Chapter wise Theory to be explained with relevant examples.
Applications based questions to be solved.
Board format answers to be written.
Training for the most likely questions for the boards.
EXHAUSTIVE TEST SERIES in depth.
Grab the opportunity with best academic results at your door step.
9323919953
(COUNCIL BOARD PAPER CORRECTOR)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवालाा के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक : मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net